नियत कार्य

परास्नातक (शिक्षा) प्रथम वर्ष
(जनवरी–2022 एवं जुलाई–2022)

शिक्षा विद्यापीठ
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

नियतकार्य

परास्नातक (शिक्षा) प्रथम वर्ष
जनवरी–2022 एवं जुलाई–2022

कृपया ध्यान दें :

अ) नियतकार्यों के उत्तर (ए आर्स) अपने कार्यक्रम अध्ययन क्षेत्र के कार्यक्रम प्रभारी के पास स्वयं जमा किये जा सकते हैं अथवा पंजीकृत डाक द्वारा भेजे जा सकते हैं।

ब) सभी नियतकार्यों की एक प्रति आप को स्वयं अपने पास अपनी आवश्यकता के लिए सुरक्षित रखनी चाहिए।

एम.ई.एस.–011 : शिक्षा को समझना

नियतकार्य : 01

अ) समाज की एक उप–पद्धति (सब–सिस्टम) के रूप में शिक्षा की व्याख्या कीजिए। शिक्षा के प्रकार्यों की संक्षेप में व्याख्या कीजिए। (500 शब्द)

ब) शैक्षिक विकास में समुदाय सहभागिता के महत्व की व्याख्या कीजिए। उन उपायों की परिचर्चा कीजिए जिनके माध्यम से समुदाय सहायता एवं सहभागिता को बढ़ाया जा सकें। (500 शब्द)

स) शैक्षिक संक्रियाओं (एजूकेशनल आपरेशन्स) के अर्थ एवं स्तरों की व्याख्या कीजिए। राजनैतिक निर्णयन पर विभिन्न स्तरों पर शैक्षिक संक्रियाएं किस प्रकार निर्भर हैं? सोदाहरण विश्लेषण कीजिए। (500 शब्द)

एम.ई.एस.–012 : शिक्षा : प्रकृति एवं प्रयोजन

नियतकार्य : 01

अ) 'शिक्षा व्यक्ति का समग्र विकास है' इस कथन को सोदाहरण न्यायोचित ठहराइये।

(500 शब्द)

ब) जैक्स डेलर्स के निर्देशन में शिक्षा पर अन्तर्राष्ट्रीय आयोग द्वारा प्रतिपादित शिक्षा के चार स्तम्भों की व्याख्या कीजिए। वर्तमान शिक्षा पद्धति के लिए वे किस प्रकार प्रासंगिक हैं? परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

स) मान लीजिए एक माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा आपको आपके कार्यक्षेत्र (विशेषज्ञता) की पाठ्यचर्या का मूल्यांकन करने के लिए कहा जाता है। उस पाठ्यचर्या का मूल्यांकन आप किस प्रकार करेंगें? इसके लिए एक विस्तृत योजना तैयार कीजिए।

(500 शब्द)

एम.ई.एस.–013 : अधिगम, शिक्षार्थी एवं विकास

नियतकार्य : 01

अ) एरिक्शन के मनोवैज्ञानिक विकास के सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए और इसके शैक्षिक निहितार्थों की परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

ब) पियाजे के संज्ञानात्मक विकास के सिद्धान्त और इसके शैक्षिक निहितार्थों की परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

स) सहयोगी अधिगम वातावरण की विशेषताओं का वर्णन कीजिए। एक शीर्षक का चयन कीजिए और अपने विद्यार्थियों को उस शीर्षक का शिक्षण करने के लिए सहयोगी अधिगता वातावरण की रूपरेखा तैयार कीजिए। (500 शब्द)

एम.ई.एस.–014 : शिक्षा का सामाजिक सन्दर्भ

नियतकार्य : 01

अ) सामाजिक स्तरण/स्तरीकरण (सोशल स्ट्रेटीफिकेशन) की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। सामाजिक स्तरण/स्तरीकरण के विभिन्न सिद्धान्तों की संक्षेप में परिचर्चा कीजिए।

(500 शब्द)

ब) विद्यालय–प्रकार्यों और विद्यालय–बालक–सम्बन्धों के विशेष सन्दर्भ में सामाजिक व्यवस्था के रूप में विद्यालय की व्याख्या कीजिए। (500 शब्द)

स) वैश्वीकरण की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। भारत में शिक्षा व्यवस्था पर वैश्वीकरण के प्रभाव का समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए। (500 शब्द)

एम.ई.एस.–015 : शिक्षा का परिचालन आयाम

नियतकार्य : 01

अ) उच्च शिक्षा में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) की भूमिका पर विशेष बल देते हुए भारत में स्वातन्त्र्योत्तर काल में उच्च शिक्षा के विकास का वर्णन कीजिए। (500 शब्द)

ब) मुक्त एवं दूरस्थ अधिगम प्रणाली (ओ डी एल एस) में अधिगम अनुभवों को किस प्रकार संगठित और शिक्षार्थियों को प्रदान किया जाता है। वर्णन कीजिए। (500 शब्द)

स) विद्यालय अथवा महाविद्यालय स्तर पर एक शैक्षिक कार्यक्रम की पहचान कीजिए। जिससे आप अवगत हों। उसी शैक्षिक कार्यक्रम का मूल्यांकन करने के लिए एक विस्तृत योजना तैयार कीजिए। (500 शब्द)

एम.ई.एस.–016 : शैक्षिक अनुसन्धान

नियतकार्य : 01

अ) परिकल्पना के अर्थ और प्रकारों की व्याख्या कीजिए। आप परिकल्पना को किस प्रकार वैध सिद्ध कर सकते हैं? सोदाहरण समझाइये। (500 शब्द)

ब) ऐतिहासिक अनुसन्धान के अर्थ एवं विशेषताओं की व्याख्या कीजिए। शिक्षा में ऐतिहासिक अनुसन्धान करने के सोपानों का सोदाहरण वर्णन कीजिए। (500 शब्द)

स) भारतीय शिक्षा पद्धति में समकालीन विकास से सम्बन्धित समस्या की पहचान कीजिए। उसी समस्या पर अनुसन्धान अध्ययन करने के लिए एक विस्तृत प्रस्ताव तैयार कीजिए। (500 शब्द)